हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat 27-07-2024 - 27 Jul 2024 - Page 4

गोहाना। पुस्तक का विमोचन करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश। फोटो: हरिभूमि

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति ने पुस्तक का विमोचन किया

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने आइसीएसएसआर प्रोजेक्ट के तहत शिक्षा विभाग की सहायक प्रोफेसर डा. रीना रानी द्वारा संपादित पुस्तक-फ्लिप्ड क्लासरूम-इवोल्यूशन टू रिवाल्यूशन का विमोचन किया। कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक विद्यार्थियों को नई शिक्षण तकनीक से अवगत कराते हुए उनकी सोच को विकसित करने में सहायक साबित होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में शिक्षण संस्थानों की समाज के प्रति जिम्मेदारी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में शिक्षकों पर युवा वर्ग की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने का दायित्व है। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थियों के लिए रोल माडल की भूमिका निभाता है। डा. रीना ने कहा कि यह पुस्तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के पाठ्यक्रम के तहत तैयार की गई है। आइसीएसएसआर प्रोजेक्ट के तहत रचित इस पुस्तक में रिवर्स शिक्षण शास्त्र के तहत विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई है। इस मौके पर डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. संकेत विज, डीन शिक्षा संकाय व विभागाध्यक्षा डा. अनु बल्हारा और चीफ वार्डन डा. सुमन दलाल मौजूद रहे।

Download Free
Snap AR®
Open

Hindi News

कुलपति प्रो सुदेश ने शिक्षण शास्त्र पर पुस्तक का विमोचन किया

Girish Saini Jul 26, 2024 11:11

We are 600+ family strong
Yours could be next
RERA NO : PBRERA-LDH44-PR0449
HAMPTON HOMES

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने आईसीएसएसआर प्रोजेक्ट के तहत शिक्षा विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ रीना रानी द्वारा संपादित पुस्तक 'फ्लिप्ड क्लासरूम-इवोल्यूशन टू रिवॉल्यूशन' का विमोचन कुलपति कार्यालय में किया।

कुलपति प्रो सुदेश ने इस उपलब्धि के लिए डॉ रीना को बधाई दी और आशा जताई कि यह पुस्तक विद्यार्थियों को नई शिक्षण तकनीक से अवगत कराते हुए उनकी सोच को विकसित करने में सहायक साबित होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षण संस्थानों की समाज के प्रति जिम्मेदारी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में शिक्षकों पर युवा वर्ग की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने का दायित्व है। कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल की भूमिका निभाता है और उसके द्वारा दिखाए मार्ग पर चलकर ही विद्यार्थी उन्नति के पथ पर आगे बढ़ते हैं।

डॉ रीना रानी ने बताया कि यह पुस्तक नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के पाठ्यक्रम के तहत तैयार की गई है, जो विशेष रूप से शिक्षा विभाग में बीएड, एमएड व एमए (एजुकेशन) कर रहे विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी। उन्होंने बताया कि आईसीएसएसआर प्रोजेक्ट के तहत रचित इस पुस्तक में रिवर्स शिक्षण शास्त्र के तहत विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई है। यह पुस्तक विद्यार्थियों के समग्र दृष्टिकोण विकास में सहायक होगी। पुस्तक विमोचन के मौके पर डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो संकेत विज, डीन शिक्षा संकाय व विभागाध्यक्षा डॉ अनु बल्हारा तथा चीफ वार्डन डॉ सुमन दलाल भी मौजूद रहे।

Tags: Vice Chancellor | book on pedagogy

PREVIOUS ARTICLE
वीर सैनिकों के बलिदान के कारण ही आज हम खुली हवा में सांस ले रहे: ले. कर्नल अनिल

NEXT ARTICLE
राष्ट्र तथा राष्ट्रीय हित सर्वोच्च प्राथमिकता: प्रो. ध्रुव चौधरी

RELATED POSTS
एनएचएम कर्मियों की मांग पूरी करे प्रदेश सरकार: राजू मान
एसआईएचएम में पिज्जा सहित अन्य डिश बनाना सीख रही ग्रामीण...
राष्ट्र तथा राष्ट्रीय हित सर्वोच्च प्राथमिकता: प्रो. ध्रुव...

COMMENTS

Name | Email
Comment
I'm not a robot
Post Comment

SATURDAY 27TH OF JULY 2024 12:47:28 PM

LAST UPDATED ON: 26-07-2024 11:44:32 PM

POPULAR POSTS
Weekly Posts
BJP will continue stir till K'taka CM quits: LoP Ashoka...
ED conducting an honest investigation in Tibral Welfare...
NAREDCO announces launch of Uttarakhand Chapter, Strengthening...
Lalu Prasad Yadav slams Nitish Kumar over poor law & order...
UAPA case: HC issues notice to Delhi Police on Umar Khalid's...

FOLLOW US
Facebook | X (Twitter) | Linkedin | Youtube | Email

RECOMMENDED POSTS
Opinion
IANS Interview: Harbhajan Singh talks Budget, cricket,...
IANS Interview: No religion is as liberal as Sanatan Dharma,...
FairPoint: Indian forces set to clean Jammu areas, nip...
IANS Interview: PM Modi wants India to become a 'developed...
IANS Interview: Phone-tapping controversy must be thoroughly...
With 'The Heist', Nad Sham shines in thrilling debut -...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

Skyscanner
New Delhi to Hyderabad
from Rs6,982
Search

Hindi News

वीर सैनिकों के बलिदान के कारण ही आज हम खुली हवा में सांस ले रहे: ले. कर्नल अनिल

कारगिल विजय दिवस समारोह में वीर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

Girish Saini Jul 26, 2024 11:28

गोहाना, गिरीश सैनी। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण विभाग द्वारा शुक्रवार को कारगिल विजय दिवस समारोह का आयोजन किया गया। बतौर मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय की कार्यवाहक कुलसचिव प्रो श्वेता सिंह ने शिरकत की। मुख्य वक्ता के रूप में निदेशक जनसंपर्क ले. कर्नल (डॉ) अनिल बल्हारा उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि प्रो श्वेता सिंह ने कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि यह दिन हमें मातृभूमि पर प्राणों की आहुति देने वाले वीर सपूतों की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा बॉर्डर पर खड़े वीर सैनिकों के अलावा हम आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी है। वीर शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कहते हुए उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि वे सोशल मीडिया की आभासी दुनिया से बाहर निकल कर अपने दिल में देश प्रेम की भावना जागृत करें और गलत चीजों को सहन न करने का संकल्प लें। प्रो श्वेता सिंह ने कहा कि हर व्यक्ति को राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए।

मुख्य वक्ता ले. कर्नल (डॉ) अनिल बल्हारा ने अपने प्रभावशाली संबोधन में कहा कि कारगिल युद्ध में हमारे वीर सैनिकों ने अपने शौर्य और पराक्रम का जो परिचय दिया, वह अद्भुत व अविस्मरणीय है। उनके बलिदान के कारण ही आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन जरूरी है, ताकि हमारी युवा पीढ़ी देश के लिए अपनी जान की बाजी लगाने वाले वीर सैनिकों के बलिदान और वीरता की गाथा को जान सके और उनका सम्मान कर सके। उन्होंने छात्राओं को सैन्य सेवाओं में जाने के लिए भी प्रेरित किया।

इस कार्यक्रम की कोऑर्डिनेटर डॉ कृतिका ने बताया कि इस अवसर पर छात्राओं को कारगिल युद्ध में भारतीय सेना के अदम्य साहस की जानकारी देने वाली एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम में वीर शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस दौरान विभिन्न विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, गैर शिक्षक कर्मचारी एवं छात्राएं मौजूद रहीं।

Tags: sacrifice of our brave soldiers | breathe in open air

PREVIOUS ARTICLE
एमडीयू में विभिन्न यूएमसी केसों की सुनवाई 29 जुलाई से

NEXT ARTICLE
कुलपति प्रो सुदेश ने शिक्षण शास्त्र पर पुस्तक का विमोचन किया

RELATED POSTS

एनएचएम कर्मियों की मांग पूरी करे प्रदेश सरकार: राजू मान

एसआईएचएम में पिज्जा सहित अन्य डिश बनाना सीख रही ग्रामीण...

राष्ट्र तथा राष्ट्रीय हित सर्वोच्च प्राथमिकता: प्रो. ध्रुव...

COMMENTS

Name
Email
Comment

I'm not a robot

Post Comment

SATURDAY 27TH OF JULY 2024 12:48:19 PM

LAST UPDATED ON: **26-07-2024 11:44:32 PM**

POPULAR POSTS

Weekly Posts

BJP will continue stir till K'taka CM quits: LoP Ashoka...

ED conducting an honest investigation in Tibral Welfare...

NAREDCO announces launch of Uttarakhand Chapter, Strengthening...

Lalu Prasad Yadav slams Nitish Kumar over poor law & order...

UAPA case: HC issues notice to Delhi Police on Umar Khalid's...

FOLLOW US

Facebook | X (Twitter) | Linkedin | Youtube | Email

RECOMMENDED POSTS

Opinion
IANS Interview: Harbhajan Singh talks Budget, cricket,...

IANS Interview: No religion is as liberal as Sanatan Dharma,...

FairPoint: Indian forces set to clean Jammu areas, nip...

IANS Interview: PM Modi wants India to become a 'developed...

IANS Interview: Phone-tapping controversy must be thoroughly...

With 'The Heist', Nad Sham shines in thrilling debut -...

CONTACT US

For Advertisement, News, Article, Advertorial, Feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

पंजाब केसरी
SAT,27 JULY 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

वी.सी. ने डॉ. रीना रानी द्वारा संपादित पुस्तक का किया विमोचन

गोहाना, 26 जुलाई (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने आई.सी.एस.एस.आर. प्रोजैक्ट के तहत शिक्षा विभाग की सहायक प्रोफैसर डॉ. रीना रानी द्वारा संपादित पुस्तक 'फ्लिप्ड क्लासरूम-इवोल्यूशन टू रिवॉल्यूशन' का विमोचन अपने कार्यालय में किया।

प्रो. सुदेश ने आशा जताई कि यह पुस्तक विद्यार्थियों को नई शिक्षण तकनीक से अवगत कराते हुए उनकी सोच को विकसित करने में सहायक साबित होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षण संस्थानों की समाज के प्रति जिम्मेदारी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में शिक्षकों पर युवा वर्ग की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने का दायित्व है। वी.सी. ने कहा कि एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल की भूमिका निभाता है।

डॉ. रीना रानी ने बताया कि यह पुस्तक नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के पाठ्यक्रम के तहत तैयार की गई है। यह पुस्तक विशेष रूप से शिक्षा विभाग में बी.एड., एम.एड. व एम.ए. (एजुकेशन) कर रहे विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी। पुस्तक विमोचन के अवसर पर डीन एकैडमिक अफेयर्स प्रो. संकेत विज, डीन शिक्षा संकाय व विभागाध्यक्ष डॉ. अनु बल्हारा तथा चीफ वार्डन डॉ सुमन दलाल भी उपस्थित रहे।

अन्य अधिकारियों के साथ विमोचन करते हुए प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

पंजाब केसरी
SAT,27 JULY 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 3

सोशल मीडिया की आभासी दुनिया से बाहर निकल कर दिल में जागृत करें देश प्रेम : हुड्डा

गोहाना (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय छात्र कल्याण विभाग द्वारा शुक्रवार को कारगिल विजय दिवस समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कार्यवाहक रजिस्ट्रार प्रो. श्वेता सिंह और मुख्य वक्ता निदेशक जनसंपर्क लै. कर्नल (डॉ) अनिल बल्हारा रहे।

कारगिल विजय दिवस समारोह में उपस्थित महिला विश्वविद्यालय के प्राध्यापक। (अरोड़ा)

प्रो. श्वेता सिंह ने कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि यह दिन हमें मातृभूमि पर प्राणों की आहुति देने वाले वीर सपूतों की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा बॉर्डर पर खड़े वीर सैनिकों के अलावा हम आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी है। वीर शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कहते हुए उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि वे सोशल मीडिया की आभासी दुनिया से बाहर निकल कर अपने दिल में देश प्रेम की भावना जागृत करें और गलत चीजों को सहन न करने का संकल्प लें। प्रो. श्वेता सिंह ने कहा कि हर व्यक्ति को राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए।

मुख्य वक्ता लै. कर्नल (डॉ) अनिल बल्हारा ने कहा कि कारगिल युद्ध में हमारे वीर सैनिकों ने अपने शौर्य और पराक्रम का जो परिचय दिया, वह अद्भुत व अविस्मरणीय है। कार्यक्रम की को-ऑर्डिनेटर डॉ कृतिका ने बताया कि इस अवसर पर छात्राओं को कारगिल युद्ध में भारतीय सेना के अदम्य साहस की जानकारी देने वाली एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम में वीर शहीदों की स्मृति में 2 मिनट का मौन रखा गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

वीर सैनिकों के बलिदान के कारण ही आज हम खुली हवा में सांस ले रहे: कर्नल अनिल

ब्यूरो / गुड़गांव मेल

गोहना, गुड़गाँव मेल, 26 जुलाई। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां के छात्र कल्याण विभाग द्वारा शुक्रवार को कारगिल विजय दिवस समारोह का आयोजन किया गया। बतौर मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय की कार्यवाहक कुलसचिव प्रो श्वेता सिंह ने शिरकत की। मुख्य वक्ता के रूप में निदेशक जनसंपर्क ले. कर्नल (डॉ) अनिल बल्हारा उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि प्रो श्वेता सिंह ने कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि यह दिन हमें मातृभूमि पर प्राणों की आहुति देने वाले वीर सपूतों की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा बॉर्डर पर खड़े वीर सैनिकों के अलावा हम आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी है।

कुलपति ने शिक्षण शास्त्र पर पुस्तक का विमोचन किया

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने आईसीएसएसआर प्रोजेक्ट के तहत शिक्षा विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ रीना रानी द्वारा संपादित पुस्तक %फ्लिप्ड क्लासरूम-इवोल्यूशन टू रिवॉल्यूशन% का विमोचन कुलपति कार्यालय में किया। कुलपति प्रो सुदेश ने इस उपलब्धि के लिए डॉ रीना को बधाई दी और आशा जताई कि यह पुस्तक विद्यार्थियों को नई शिक्षण तकनीक से अवगत कराते हुए उनकी सोच को विकसित करने में सहायक साबित होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षण संस्थानों की समाज के प्रति जिम्मेदारी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में शिक्षकों पर युवा वर्ग की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने का दायित्व है। कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल की भूमिका निभाता है और उसके द्वारा दिखाए मार्ग पर चलकर ही विद्यार्थी उन्नति के पथ पर आगे बढ़ते हैं। डॉ रीना रानी ने बताया कि यह पुस्तक नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के पाठ्यक्रम के तहत तैयार की गई है, जो विशेष रूप से शिक्षा विभाग में बीएड, एमएड व एमए (एजुकेशन) कर रहे विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी। उन्होंने बताया कि आईसीएसएसआर प्रोजेक्ट के तहत रचित इस पुस्तक में रिवर्स शिक्षण शास्त्र के तहत विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई है। यह पुस्तक विद्यार्थियों के समग्र दृष्टिकोण विकास में सहायक होगी। पुस्तक विमोचन के मौके पर डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो संकेत विज, डीन शिक्षा संकाय व विभागाध्यक्षा डॉ अनु बल्हारा तथा चीफ वार्डन डॉ सुमन दलाल भी मौजूद रहे।

देश की सुरक्षा हम सब की भी जिम्मेदारी : प्रो. श्वेता

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि की कार्यवाहक कुलसचिव प्रो. श्वेता सिंह ने कहा कि देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी बॉर्डर पर खड़े वीर सैनिकों के अलावा हम नागरिकों की भी है।

हमें वीर शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। छात्र सोशल मीडिया की आभासी दुनिया से बाहर निकल कर अपने दिल में देश प्रेम की भावना जागृत करें और गलत चीजों को सहन न करने का संकल्प लें। वे बीपीएस महिला विवि में छात्र कल्याण विभाग द्वारा आयोजित कारगिल विजय दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी। इस दौरान उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि भी दी।

करगिल विजय दिवस समारोह के दौरान कार्यवाहक कुलसचिव प्रो. श्वेता सिंह व अन्य।

प्रो. श्वेता सिंह ने कहा कि कारगिल विजय दिवस का यह दिन हमें मातृभूमि पर प्राणों की आहुति देने वाले वीर सपूतों की याद दिलाता है। ऐसे में हर व्यक्ति को राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए।

निदेशक जनसंपर्क लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. अनिल बल्हारा ने बतौर मुख्य वक्ता कहा कि कारगिल युद्ध में हमारे वीर सैनिकों ने अपने शौर्य और पराक्रम का जो परिचय दिया, वह अद्भुत व अविस्मरणीय है। उनके बलिदान के कारण ही आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी देश के लिए अपनी जान की बाजी लगाने वाले वीर सैनिकों के बलिदान और वीरता की गाथा को जान सके और उनका सम्मान कर सके, इसके लिए इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन जरूरी है। उन्होंने छात्राओं को सैन्य सेवाओं में जाने के लिए भी प्रेरित किया। वहीं कार्यक्रम की कोऑर्डिनेटर डॉ. कृतिका ने बताया कि कारगिल विजय दिवस समारोह में छात्राओं को कारगिल युद्ध में भारतीय सेना के अदम्य साहस की जानकारी देने वाली एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई।

कुलपति प्रो. सुदेश ने किया पुस्तक का विमोचन

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. सुदेश ने पुस्तक का विमोचन किया। आईसीएसएसआर प्रोजेक्ट के तहत शिक्षा विभाग की सहायक प्रो. डॉ. रीना रानी की तरफ से संपादित पुस्तक- फ्लिप्ड क्लासरूम-इवोल्यूशन टू रिवॉल्यूशन का विमोचन किया गया।

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि पुस्तक विद्यार्थियों को नई शिक्षण तकनीक से अवगत कराते हुए उनकी सोच को विकसित करने में सहायक साबित होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षकों पर युवा वर्ग की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा की तरफ लेकर जाने का दायित्व है। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थियों के लिए रोल माडल की भूमिका निभाता है। डॉ. रीना ने कहा कि यह पुस्तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के पाठ्यक्रम के अनुसार लिखी गई है। पुस्तक में रिवर्स शिक्षण शास्त्र के तहत विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई है।

प्रो. सुदेश पुस्तक का विमोचन करते। स्रोत : विवि

कारगिल में जवानों ने पराक्रम का दिया परिचय : डा. बल्हारा

जागरण संवाददाता, गोहाना: कारगिल विजय दिवस पर शुक्रवार को विभिन्न शिक्षण संस्थानों में कार्यक्रम हुए और बलिदानियों को नमन किया गया। सामाजिक संगठनों द्वारा भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय की कार्यवाहक कुलसचिव प्रो श्वेता सिंह ने शिरकत की। मुख्य वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल डा. अनिल बल्हारा रहे। मुख्य अतिथि प्रो. श्वेता सिंह ने कहा कि यह दिन हमें मातृभूमि पर प्राणों की आहुति देने वाले वीर सपूतों की याद दिलाता है। डा. बल्हारा ने कहा कि कारगिल युद्ध में हमारे वीर सैनिकों ने अपने शौर्य और पराक्रम का जो परिचय दिया, वह अद्भुत व अविस्मरणीय है। छात्राओं को डाक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई।

शहर में गुड्डा रोड स्थित जवाहरलाल नेहरू विद्यालय में भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। अध्यक्षता विद्यालय के एमडी सुनील शर्मा एवं प्राचार्य डा. सचिन शर्मा ने की। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर ईशा, द्वितीय स्थान पर रितु, तृतीय स्थान पर सारिका सांत्वना पुरस्कार अंशु एवं रिया दलाल ने प्राप्त किया। गीता विद्या मंदिर गोहाना में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मेजर रामकुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी चौकियों पर पाकिस्तानी सैनिक कब्जा करके बैठे थे। परंतु तीन महीने के सूक्ष्म निरीक्षण एवं सशक्त योजना द्वारा चढ़ाई कर हमारे देश के जवानों ने दुश्मनों पर विजय प्राप्त की। मुस्कान ने कविता व हृदय ने नृत्य की प्रस्तुति दी। नालंदा वर्ल्ड स्कूल में विद्यार्थियों ने देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से कारगिल युद्ध में बलिदानियों को नमन किया। अध्यक्षता प्राचार्य अनुपमा चौधरी ने की। बलिदानी स्मारक में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता गोपाल कृष्ण गोशाला के संस्थापक जय नारायण गुप्ता ने कहा कि कारगिल युद्ध में देश ने विक्रम बत्रा सहित 527 जवानों को खो दिया था।

शिक्षकों पर युवा वर्ग की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने का दायित्व : प्रो. सुदेश

गोहाना| बीपीएस महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षण संस्थानों की समाज के प्रति जिम्मेदारी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में शिक्षकों पर युवा वर्ग की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने का दायित्व है। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल की भूमिका निभाता है और उसके द्वारा दिखाए मार्ग पर चलकर ही विद्यार्थी उन्नति के पथ पर आगे बढ़ते हैं। वे शुक्रवार को अपने कार्यालय में आईसीएसएसआर प्रोजेक्ट के तहत शिक्षा विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. रीना रानी द्वारा संपादित फ्लिप्ड क्लासरूम-इवोल्यूशन-ट ू-रिवॉल्यूशन पुस्तक का विमोचन करने के उपरांत संबोधित कर रही थी। इस दौरान उन्होंने डॉ. रीना का शुभकामनाएं दी। प्रो. सुदेश ने आशा जताई कि यह पुस्तक विद्यार्थियों को नई शिक्षण तकनीक से अवगत कराते हुए उनकी सोच को विकसित करने में सहायक साबित होगी। वहीं सहायक प्रोफेसर डॉ. रीना रानी ने बताया कि यह पुस्तक नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के पाठ्यक्रम के तहत तैयार की गई है। यह पुस्तक विशेष रूप से शिक्षा विभाग में बीएड, एमएड व एमए (एजुकेशन) कर रहे विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी।

पुस्तक का विमोचन करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य।

कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

गोहाना, 26 जुलाई (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलांस्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने आईसीएसएसआर प्रोजेक्ट के तहत शिक्षा विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. रीना रानी द्वारा संपादित पुस्तक 'फिलप्ड क्लासरूम-विकास से क्रांति' का शुक्रवार को विमोचन कुलपति कार्यालय में किया। कुलपति प्रो. सुदेश ने इस उपलब्धि के लिए डॉ. रीना को बधाई दी और आशा जताई कि यह पुस्तक विद्यार्थियों को नई शिक्षण तकनीक से अवगत कराते हुए उनकी सोच को विकसित करने में सहायक साबित होगी। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थियों के लिए रोल मॉडल की भूमिका निभाता है और उसके द्वारा दिखाए मार्ग पर चलकर ही विद्यार्थी उन्नति के पथ पर आगे बढ़ते हैं। डॉ. रीना रानी ने बताया कि यह पुस्तक विशेष रूप से शिक्षा विभाग में बीएड, एमएड व एमए (एजुकेशन) कर रहे विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी। उन्होंने आईसीएसएसआर प्रोजेक्ट के तहत रचित इस पुस्तक में रिवर्स शिक्षण शास्त्र के तहत विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई है। यह पुस्तक विद्यार्थियों के समग्र दृष्टिकोण विकास में सहायक होगी।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
27-Jul-2024
Page: 9
http://www.ajitsamachar.com/20240727/27/9/1_1.cms

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat 27-07-2024 - 27 Jul 2024 - Page 3

देश की सुरक्षा सैनिकों के अलावा हमारी भी : प्रो. श्वेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां के छात्र कल्याण विभाग द्वारा शुक्रवार को कारगिल विजय दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि महिला विवि की कार्यवाहक कुलसचिव प्रो. श्वेता सिंह और मुख्य वक्ता के रूप में निदेशक जनसंपर्क ले. कर्नल (डॉ.) अनिल बल्हारा रहे। प्रो. श्वेता सिंह ने कहा कि देश की सुरक्षा की जिम्मेवारी अकेले सीमा पर तैनात सेना के जवानों की ही नहीं बल्कि हम सब की भी है। हर व्यक्ति को राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। मुख्य वक्ता ले. कर्नल (डॉ.) अनिल बल्हारा ने कहा कि कारगिल युद्ध में हमारे वीर सैनिकों ने अपने शौर्य और पराक्रम का जो परिचय दिया, वह अद्भुत व अविस्मरणीय है। उनके बलिदान से ही आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। कार्यक्रम को-ऑर्डिनेटर डॉ. कृतिका के अनुसार कार्यक्रम में छात्राओं को कारगिल युद्ध में भारतीय सेना के अदम्य साहस की एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम में वीर शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।